सजावटी बागवानी

यह उद्यान विज्ञान का कलात्मक पक्ष है। सजावटी बागवानी से तात्पर्य, उस बागवानी से है जो मुख्य रूप से घर-मंदिर, उद्यान, ऑफिस आदि की सुन्दरता बढ़ाने के लिए की जाती है। भारत में उद्यानों की परम्परा काबुल के तर्ज पर बाहर से शुरु की जो शाहजहाँ के काल तक अपने उत्कर्ष पर पहुँच चुका था।

सजावटी बागवानी का संबंध सभी प्रकार के फूलों से है जो वातावरण को सुन्दर बनाकर हमें प्रसन्नता प्रदान करने का कार्य करती है।

Scanned with CamScanner

फूल :-

i) फूलों का राजा गुलाब :- यह एक कंटीली झाड़ीनुमा पौधा है जो भारत के लगभग सभी स्थानों में उगाया जाता है। यह बहुत प्राचीन पौधा माना जाता है। इसके लगभग अनेक किस्म मौजूद है। इनमें से प्रमुख हैं :- पाइनर गुलाब, कलाइमाटेज हैवराइट आदि। गुलाब गमलों की अपेक्षा भूमि में अच्छा फैलता है। ऐसे भूमि गुलाब के लिए उपयुक्त होती है। जहाँ 4-6 घंटा धूप होती है।

ii) गेंदा :- यह भारत का सबसे प्रमुख सजावटी फूल है। यह साल भर उगाया जा सकता है। यह जल्दी मुरझाता नहीं है तथा यह पीला, नारंगी, लाल आदि रंगों का होता है यह सुगंधित एवं औषधीय गुणों के लिए विख्यात है। बाजारों में वर्ष भर गेंदा के फूलों की मांग रहती है। भारत में मुख्य रूप से अफ्रीकन गेंदा और फ्रेंच गेंदा की खेती की जाती है।

iii) सूरजमुखी :- यह फूल अमेरिका की उपज है। पर रूस, ब्रिटेन, मिस्र, डेनमार्क, स्वीडन और भारत आदि देशों में आज उगाया जाता है। इसका नाम सूरजमुखी इसलिए पड़ा कि यह सूर्य की ओर झुका रहता है।

iv) कमल :- कमल भारत का राष्ट्रीय पुष्प है। कमल का पौधा पानी में उत्पन्न होता है और भारत के सभी उष्ण भागों में पाया जाता है। कमल का फूल सफेद, या गुलाबी रंग का होता है। इस फूल का प्रयोग चिकित्सा एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में भी किया जाता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

* सजावटी बागवानी के कुछ पौधे निम्नलिखित हैं :-

1) गुलाब :- यह एक काँटीली झाड़ीनुमा पौधा है, जो भारत के लगभग सभी स्थानों में उगाया जाता है। यह बहुत प्राचीन पौधा है। इसकी अनेक प्रजातियाँ पायी जाती हैं। यह विभिन्न रंगों में उगाया जाता है।

2) गेंदा :- यह भारत का सबसे प्रमुख सजावटी फूल है। यह साल भर उगाया जा सकता है। यह जल्दी मुरझाता भी नहीं है तथा यह पीला, नारंगी, लाल आदि रंगों का होता है। यह सुगंधित होता है।

3) डहलिया :- यह कई रंगों में खिलने वाला पुष्प है। यह शीत ऋतु का सर्वोत्तम फूल है।

4) चमेली :- चमेली की कई प्रजातियाँ पायी जाती हैं। इन्हें कलम द्वारा प्रतिरोपित किया जा सकता है। इससे इत्र एवं तेल का निर्माण होता है। चमेली पुष्प की ख्याति विश्व भर में है।

5) सूर्यमुखी :- यह धूप में खिलने वाला बड़ा फूल है। यह पीले तथा काले रंग का संयुक्त रूप से होता है। इसका तेल रोगियों के लिए लाभकारी होता है।

Scanned with CamScanner